- श्री -

माननीय न्यायालय म० प्र० राजस्व मण्डल ग्वालियर म० प्र०

प्रकरण क्रमांक आर-१५३१पी० बी० आर० ।२०१६
रेस्टो - 9103-PBR-16

श्रीमती सोनल त्रिवेदी अधि० द्वारा 24-6-16 को उपरोक्त पर प्रस्तुत
24-6-16

सोनल त्रिवेदी एड. 24/6/16

खेमचन्द ---------- आवेदक

विरूद्ध

सिद्धनाथ आदि ------ अनावेदकगण

आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा ३५, म० प्र० भू० रा० सं०

माननीय महोदय,

आवेदककीओर से आवेदनपत्र निम्नलिखित आवेदन पत्र प्रकरण के आज ही निरस्ती के संबंध में आज ही नम्बर पर लिये जाने हेतु आवेदन पत्र::-

१- यहकि उपरोक्त प्रकरण आज प्रारम्भिक सुनवाई हेतु नियत है ।

२- यह कि प्रकरण में आवेदक की ओर से श्री आर० एन० मोदी पक्ष समर्थन कर रहे है श्री मोदी चार माह से लगातार बीमार होने की वजह से गत ३-४ दिवस से वहमाननीय न्यायालय में आने लगे है । ऐसी स्थिति में प्रकरणमे शारीरिक कमजोरी होने की वजह से माननीय न्यायालय दसरी मंजिल पर होने से विलंबसे उपस्थित हुए ऐसी दशा में लंच समय के पूर्व भोजनावकाश के पूर्व ही माननीय न्यायालय ने पुकार लगाई और रीडर से ज्ञात हुआ कि तीन बार पुकार लगाई तथा उनकी अनुपस्थिति में प्रकरण निरस्त कर दिया गया है । आज ही माननीय न्यायालय मे आज ही आवेदन पत्रप्रस्तुत है । आवेदक अपने अभिभाषक पर निर्भर था । आज ही अनुपस्थिति सदभावना व पर्याप्त आधारो पर आधारित होने से क्षमा के योग्य है । कनिष्ठ अभिभाषक श्रीमती सोनल त्रिवेदी तल मंजिल मे स्थित जिला न्यायालय के प्रकरण मे व्यस्त होने से आवाज जब लगाई गई तब सुन नही सकी थी । उनकी भी अनुपस्थिति पर्याप्त कारणो पर आधारित रही होने से क्षमा के योग्य है ।

अत: निवेदन है कि आवेदन पत्र स्वीकार किया जाकर उपरोक्त प्रकरण आर- १५३१बी०सी०आर० ।२०१६ को नम्बर पर स्थापित कर प्रकरण की गुण दोषा की सुनवाई कर प्रकरण मे आगामी कार्यवाही करने की कृपा की जावे ।

प्रस्तुत कर्ता

(2)

Resto 9103-PB R/16

21.10.2016	आवेदक की ओर से श्री ~~[illegible]~~ उ०मो० एन० मोदी ~~[illegible]~~ अभिभाषक उपस्थित। तर्क सुने गये। अनुपस्थिति का कारण समाधानकारक होने से मूल प्रकरण पुनर्स्थापित किया जाता है। इस प्रकरण में कोई कार्यवाही शेष नहीं होने से समाप्त किया जाता है। अध्यक्ष	21/10/16